# 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' क्रिसमस पर होगी रिलीज

**बॉलीवुड** स्टार कार्तिक आर्यन की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' क्रिसमस 2025 के अवसर पर रिलीज होगी.

पिछली दीवाली अपनी रिकॉर्ड-तोड़ ब्लॉकबस्टर भूल भुलैया 3 से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के बाद, कार्तिक आर्यन एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं. इस बार उन्होंने अपने अगले बहुप्रतीक्षित फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी% के लिए क्रिसमस 2025 की तारीख पक्की कर दी है. पिछले कुछ वर्षों में खुद को देश के सबसे भरोसेमंद सितारों में से एक साबित करनेवाले कार्तिक आर्यन अब शानदार ओपनिंग की गारंटी बन चुके हैं, फिर चाहे बात मसाला एंटरटेनर की हो या रोमांटिक ड्रामा की. उनकी सहजता, आकर्षण और बढ़ती लोकप्रियता ने उन्हें नए दौर के व्यावसायिक सिनेमा का चेहरा बना दिया है, जो युवाओं और पारिवारिक दर्शकों, दोनों के बीच समान रूप से लोकप्रिय हो चुके हैं. फिलहाल मैं मेरी पत्नी और वो के बाद एक बार फिर अनन्या पांडे के साथ लौट रहे कार्तिक आर्यन के लिए उनके दर्शक काफी उत्साहित हैं, क्योंकि अपनी पिछली फिल्म में भी इस ऑन स्क्रीन जोड़ी ने अपनी सिज़लिंग केमिस्ट्री से दर्शकों का काफी मनोरंजन किया था.

धर्मा प्रोडक्शंस और नम: पिक्चर्स द्वारा निर्मित तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के निर्देशक समीर विदवान्स है, जिनके साथ कार्तिक %सत्यप्रेम की कथा% जैसी खूबसूरत रोमांटिक ड्रामा फिल्म कर चुके हैं.

# पेड्डी में होगा धमाकेदार म्यूज़िक कोलैबरेशन!

**दक्षिण** भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार राम चरण स्टारर पेड्डी में ए.आर. रहमान और मोहित चौहान का धमाकेदार म्यूज़िक कोलैबरेशन नजर आ सकता है.

राम चरण ने एक बार फिर फैंस में जबरदस्त उत्साह जगा दिया है. राम चरण इन दिनों अपनी सबसे ज्यादा इंतेज़ार की जाने वाली फिल्म पेड्डी की तैयारी में बिजी हैं, ने सोशल मीडिया पर एक नई तस्वीर साझा की है. इस तस्वीर ने फैंस के बीच एक नई हलचल मचा दी है, क्योंकि सभी को लग रहा है कि जल्द ही कोई बड़ा ऐलान होने वाला है. अपने ट्विटर हैंडल पर राम चरण ने एक ग्रुप फोटो शेयर की, जिसमें ग्लोबल म्यूज़िक लीजेंड ए.आर. रहमान, मशहूर सिंगर मोहित चौहान और पेड्डी के डायरेक्टर बुची बाबू सना एक साथ नजर आ रहे हैं. लेकिन सबसे ज़्यादा ध्यान खींचा राम चरण के दिलचस्प कैप्शन ने व्हाट्स कुकिंग गाइज ? यानी, क्या पक रहा है दोस्तों ? कयास लगाए जा रहे हैं कि ए.आर. रहमान और मोहित चौहान फिल्म के लिए किसी नए गाने या थीम पर साथ काम कर रहे हैं.

# आमिर को मिलेगा पहला आर .के . लक्ष्मण अवॉर्ड

**बॉलीवुड** के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान को पहला आर.के. लक्ष्मण अवॉर्ड मिलेगा.

आमिर खान सच में मनोरंजन की दुनिया के सुपरस्टार्स में से एक हैं. उन्होंने दर्शकों को कई बेहतरीन और यादगार फिल्में दी हैं. तीन दशक से भी ज़्यादा लंबे करियर में आमिर ने अपनी अलग पहचान बनाई है. सिनेमा में उनके काम को सम्मान देने के लिए उन्हें पहला आर.के. लक्ष्मण अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस दिया जाएगा.

महान कलाकार आर.के. लक्ष्मण को श्रद्धांजलि देने के लिए, उनके परिवार ने पहला आर.के. लक्ष्मण अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस शुरू करने का ऐलान किया है. ऐसे में इस सम्मान के पहले प्राप्तकर्ता आमिर खान होने वाले हैं.यह अवॉर्ड 23 नवंबर 2025 को पुणे में आमिर खान को दिया जाएगा. इस मौके पर ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान का लाइव कॉन्सर्ट भी होगा.

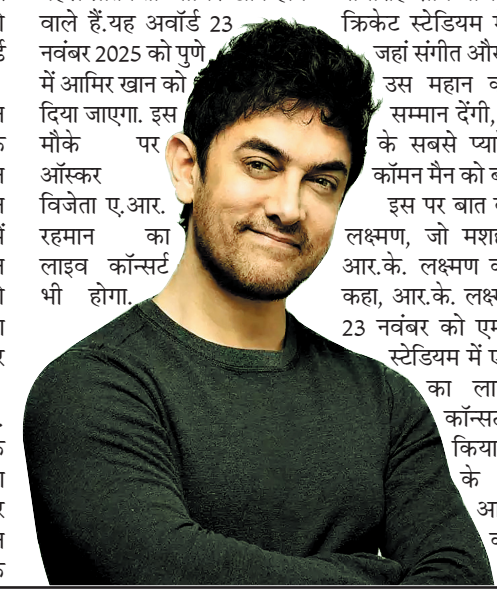

समारोह शाम पांच बजे एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा, जहां संगीत और यादें मिलकर उस महान कार्टूनिस्ट को सम्मान देंगी, जिसने भारत के सबसे प्यारे किरदार द कॉमन मैन को बनाया था.

इस पर बात करते हुए उषा लक्ष्मण, जो मशहूर कार्टूनिस्ट आर.के. लक्ष्मण की बहू हैं, ने कहा, आर.के. लक्ष्मण परिवार ने 23 नवंबर को एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में ए.आर. रहमान का लाइव म्यूज़िक कॉन्सर्ट आयोजित किया है. इस इवेंट के दौरान हम आर.के. लक्ष्मण को श्रद्धांजलि देंगे और पहला आर.के. लक्ष्मण अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस शुरू करेंगे उन्होंने यह भी पुष्टि की कि आमिर खान को इस पहले अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा. उन्होंने कहा,यह हमारे परिवार की तरफ से लक्ष्मण जी को दी जाने वाली सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी.

दिवंगत आर.के. लक्ष्मण भारत के सबसे पसंदीदा कार्टूनिस्टों में से एक रहे हैं.उन्होंने अपने कार्टून के ज़रिए आम लोगों की ज़िंदगी, उनकी मुश्किलें और समाज की सच्चाई को हंसी और सोच के साथ पेश किया, जिससे लोग न सिर्फ हँसते थे बल्कि सोचते भी थे.उन्होंने अपने भाई आर.के. नारायण द्वारा लिखी मशहूर टीवी सीरीज़ मालगुड़ी डेज़ के लिए भी स्केच बनाए थे.

# जटाधारा के मेकर्स ने करवाए असली तांत्रिक अनुष्ठान !

**फिल्म** जटधारा की शूटिंग के दौरान मेकर्स एक अहम सीक्वेंस के लिए न सिर्फ वास्तविक तांत्रिक अनुष्ठान करवाए, बल्कि सच्चे मंत्रों का जाप भी करवाया, जिससे दृश्य को आध्यात्मिक रूप से प्रामाणिक और ऊर्जावान बनाया जा सके.

सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू अभिनीत मैग्नम ओपस 'जटाधारा' अपनी रिलीज़ से पहले ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है और हाल ही में सामने आए एक बिहाइंड-द-सीन्स खुलासे ने फिल्म की गहराई और इसकी प्रामाणिकता के प्रति निर्माताओं की प्रतिबद्धता को और भी उजागर कर दिया है.

वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल द्वारा निर्देशित 'जटाधारा' केवल एक अलौकिक ड्रामा नहीं, बल्कि संस्कृति, अनुष्ठान और भावनाओं से जुड़ी एक सिनेमाई यात्रा है.

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की शूटिंग के दौरान टीम ने एक अहम सीक्वेंस के लिए न सिर्फ वास्तविक तांत्रिक अनुष्ठान करवाए, बल्कि सच्चे मंत्रों का जाप भी करवाया, जिससे दृश्य को आध्यात्मिक रूप से प्रामाणिक और ऊर्जावान बनाया जा सके. सांस्कृतिक और धार्मिक सटीकता सुनिश्चित करने के लिए निर्माताओं ने गहन शोध किया और अपने काम में महारत हासिल कर चुके तांत्रिकों से परामर्श लिया, जिन्होंने सेट पर अनुष्ठान का मार्गदर्शन किया. कास्ट और क्रू के अनुसार, उन दिनों का माहौल एक सामान्य फिल्म शूट जैसा नहीं था, बल्कि विशेषज्ञ तांत्रिकों की निगरानी में, सभी की सुरक्षा व सहजता को ध्यान में रखते हुए, पूरी सावधानी और सम्मान के साथ अनुष्ठान करवाए गए. निर्देशक वेंकट कल्याण ने कहा,हम सिर्फ उस ऊर्जा को दोहराना नहीं चाहते थे, बल्कि हम उसे महसूस करना चाहते थे.

# अवॉर्ड न मिलने पर यामी गौतम ने दी प्रतिक्रिया

**पिछले** कुछ सालों में, यामी गौतम ने खुद को अपनी पीढ़ी की सबसे प्रशंसित अभिनेत्रियों में से एक के रूप में स्थापित किया है. आर्टिकल 370 और ए थर्सडे जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से उन्होंने खूब वाहवाही बटोरी और कुछ पुरस्कारों के लिए नामांकन भी प्राप्त किए. हालाँकि, बड़ी जीतें उन्हें नहीं मिलीं. हाल ही में एक साक्षात्कार में, यामी ने कहा कि इन पुरस्कारों को खोना उन्हें परेशान नहीं करता.यामी गौतम ने एक नए साक्षात्कार में अपने करियर और मान्यता के बारे में बात की.

फिल्म पुरस्कारों पर यामी गौतम अपनी आगामी फिल्म हक के प्रचार के दौरान, यामी ने द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ एक साक्षात्कार में बताया कि कैसे ज़िंदगी किसी को पुरस्कृत करने का एक तरीका ढूंढ ही लेती है. जब अभिनेत्री ने %पुरस्कारों के ज़रिए नहीं, शायद हमेशा% कहा, तो साक्षात्कारकर्ता ने उनसे पूछा कि क्या नामांकित होना और पुरस्कार न जीत पाना उन्हें परेशान करता है.

यामी ने ना में जवाब दिया और आगे कहा, जितना मैंने भागवत गीता को समझा है, भगवान कृष्ण ने अर्जुन से जो कहा, वह सच है. ऐसा नहीं है कि मैं किसी भी आदर्श इंसान की तरह इतनी विरक्त हो गई हूँ, लेकिन अगर आपमें सफलता और हार के डर से खुद को अलग करने या किसी और के नज़रिए से मान्यता पाने की क्षमता है, तो आप ठीक हैं.

# मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स के किरदार की तुलना फैंस ने मार्वल के निक फ्यूरी से की

**अभिनेता** अभिषेक बनर्जी ने उनकी मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स के किरदार की तुलना मार्वल के निक फ्यूरी से किये जाने पर प्रतिक्रिया दी है.

अभिषेक बनर्जी, जो मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स (स्त्री, भेड़िया, मुंजया और स्त्री 2) में बेहद पसंद किए जाने वाले किरदार 'जाना' की भूमिका निभाते हैं, हाल ही में फैंस की एक मज़ेदार तुलना के चलते चर्चा में आ गए हैं. 'थामा' में उनकी हालिया झलक के बाद, सोशल मीडिया पर फैंस ने उन्हें बॉलीवुड का निक फ्यूरी कहना शुरू कर दिया है. फैंस का कहना है कि जैसे निक फ्यूरी मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स को जोड़ने वाली कड़ी हैं, वैसे ही जाना मैडॉक यूनिवर्स की कहानियों को जोड़ता है.

इस तुलना पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिषेक ने कहा,यह वाकई शानदार लगता है जब फैंस मेरे किरदार को इतने लेजेंडरी किरदार से जोड़ते हैं. हर बार जब मैं जाना के रूप में परफॉर्म करता हूं, तो उसमें कुछ नया खोजता हूं. दर्शकों का इस किरदार के लिए इतना प्यार और बेसब्री से इंतज़ार करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है. मैं खुद 'एवेंजर्स' का बड़ा फैन हूं और निक फ्यूरी (सैमुअल जैक्सन) जैसे आइकॉनिक किरदार से तुलना किया जाना मेरे लिए बहुत बड़ा कॉम्प्लिमेंट है, क्योंकि वो जिस तरह मार्वल यूनिवर्स को जोड़ते हैं, उसी तरह जाना भी मैडॉक यूनिवर्स को जोड़ता है.

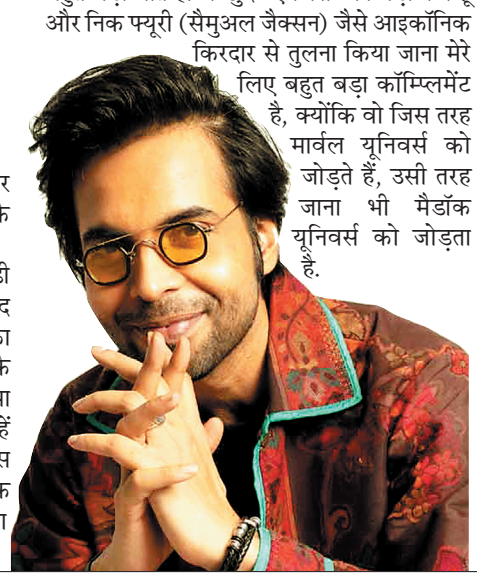

# अमिताभ गणेकर बनेंगे शो घरवाली पेड़वाली में मामा जी!

**एण्डटीवी** का शो घरवाली पेड़वाली हँसी, रोमांच और पारिवारिक ड्रामा का परफेक्ट मिश्रण पेश करने के लिए तैयार है. इस मज़ेदार कलाकारों की टोली में अब शामिल हुए हैं प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेता अमिताभ गणेकर, जो मामा जी के रोल में नजर आएँगे. उनका किरदार, जिसे शो में प्यार से पनौती मामा के नाम से जाना जाएगा, बेहद मज़ाकिया, और बातूनी है. यह मजेदार और कभी-कभी अजीब हरकतें करने वाला किरदार है, जो दर्शकों को जोर-जोर से हँसने पर मजबूर कर देगा.

अमिताभ गणेकर ने शो के साथ जुड़ने पर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, मैं घरवाली पेड़वाली का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूँ! यह सिर्फ शुरुआत है, और धमाल अभी बहुत आने वाला है. मैंने पहले हॉरर या सुपरनैचुरल जॉनर में काम नहीं किया है, इसलिए यह मेरे लिए पूरी तरह नया अनुभव है. जब मैंने शो का कॉन्सेप्ट सुना, तो मुझे तुरंत इसमें शामिल होने की इच्छा हुई. शो का वाराणसी में सेट होना मेरे लिए और खास है, क्योंकि मैंने वहीं अपनी पढ़ाई और एक्टिंग ट्रेनिंग की है. इसलिए यह मौका मिलते ही मैंने इसे तुरंत स्वीकार कर लिया. ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने जीवन का एक खूबसूरत हिस्सा फिर से जी रहा हूँ.

## कृषि जगत

# कद्दू के फूल झड़ने की समस्या का आसान हल

कद्दू का पौधा अपनी हरियाली और बड़े पीले फूलों के कारण बगीचे या खेत में अलग ही सुंदरता जोड़ देता है. लेकिन जब यही फूल बार-बार झड़ने लगते हैं और फल नहीं बनते, तो किसान और माली दोनों के लिए यह चिंता की बात बन जाती है.

**फूल झड़ने की सबसे बड़ी वजह**- कद्दू के पौधों में नर और मादा दोनों तरह के फूल होते हैं. फल बनने के लिए मादा फूल को नर फूल का पराग मिलना जरूरी होता है. यह काम आमतौर पर मधुमक्खियां और अन्य परागण करने वाले कीट करती हैं. अगर आपके खेत या बगीचे में इन कीटों की संख्या कम है, तो परागण अधूरा रह जाता है और मादा फूल झड़ जाते हैं. इस समस्या से बचने का सबसे आसान तरीका है- हाथों से परागण करना. इसके लिए एक छोटा ब्रश या रुई का टुकड़ा लें, नर फूल से पराग उठाकर मादा फूल के अंदर हल्के से लगा दें. यह प्रक्रिया सुबह के समय करें जब फूल ताजे और खुले हों. इससे फल बनने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है.

**पौधों का तनाव भी बड़ी वजह**- कई बार फूल झड़ने की वजह परागण की कमी नहीं बल्कि पौधे पर पड़ने वाला तनाव होता है. जैसे-

- बहुत ज्यादा गर्मी या ठंड
- पानी की कमी या जरूरत से ज्यादा पानी
- मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी
- अचानक मौसम बदलना
- जब पौधा तनाव में आता है, तो वह फूल गिरा देता है ताकि अपनी ऊर्जा बचा सके.

# चने की खेती में किसान इन बातों का रखें ध्यान

**खरीफ** सीजन खत्म हो गया है और अब रबी सीजन शुरू हो रहा है. इस सीजन में मुख्य फसलें जैसे ज्वार, चना, मक्का और गेहूं उगाई जाती हैं. इन फसलों में चने की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है. परंतु, चना बोने के दौरान कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है

कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि चने की खेती के लिए किस्म का चयन बेहद महत्वपूर्ण है. पछेती बुआई के लिए पूसा चना विजय, एचसी-5, जेजी-12 जैसी देसी प्रजातियां और पूसा 1003, राज विजय काबुली 101, जीएनजी 1292, हरियाणा काबुली चना-4 जैसी काबुली किस्में उपयुक्त हैं.

**कम पानी वाले इलाकों में बोएं ये किस्में**- वहीं जिन इलाकों में सूखा या सीमित जल उपलब्धता रहती है, वहां अत्यधिक जलवायु सहिष्णु किस्में जैसे पूसा 3043 (बीजी 3043), पूसा चना 10216 (बीजीएम 10216) और सुपर एनिगेरी-1 (एमएबीसी-डब्ल्यूआर-एसएआई) की सिफारिश की जाती है. उच्च तापमान या गर्मी सहन करने वाली फसलों के लिए भी पूसा 3043 को प्रभावी माना गया है.

हाल के वर्षों में बायो-फोर्टिफाइड किस्मों की मांग तेजी से बढ़ी है. इनमें आईपीसी 2005-62 (देसी) जिसमें 27.25 प्रतिशत प्रोटीन पाया जाता है और शालीमार चना-2 जिसमें 27 प्रतिशत प्रोटीन होता है, किसानों को बेहतर उत्पादन के साथ पोषण मूल्य भी प्रदान करते हैं.

### बुआई से पहले करें बीजों का उपचार

बीजोपचार चने की पैदावार बढ़ाने की एक अहम कड़ी है. कृषि विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बीजों को बोने से पहले कवकनाशी से उपचारित करें ताकि रोगों से बचाव हो सके. इसके लिए प्रति किलोग्राम बीज पर एक ग्राम बाविस्टीन या 5-10 ग्राम ट्राइकोडर्मा का प्रयोग किया जा सकता है. इसके अलावा बीजों को राइजोबियम कल्चर से भी उपचारित करना चाहिए, जिससे पौधों की वृद्धि बेहतर होती है. एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए राइजोबियम के दो पैकेट पर्याप्त होते हैं और बीजोपचार बुआई से 10-12 घंटे पहले किया जाना चाहिए. इससे उपज में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है.

# भेड़ की उन्नत नस्लें जो आपको कर देंगी मालामाल

**अगर** आप गांव में रहते हैं और खेती-बाड़ी के साथ कोई ऐसा काम करना चाहते हैं जिससे हर साल बढ़िया आमदनी हो, तो भेड़ पालन आपके लिए शानदार विकल्प है. भेड़ें न सिर्फ ऊन देती हैं, बल्कि मांस और दूध का भी अच्छा स्रोत होती हैं. कई किसान इनसे मोटा मुनाफा कमा रहे हैं. लेकिन भेड़ पालन शुरू करने से पहले उनकी नस्लों के बारे में जानना बेहद जरूरी है, क्योंकि हर नस्ल की अपनी खासियत और पहचान होती है.

**गद्दी भेड़**- मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गद्दी भेड़ें मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में पाई जाती हैं. ये आकार में छोटी लेकिन ऊन के लिए बेहद उपयोगी होती हैं. इनकी सबसे खास बात यह है कि नर भेड़ के सींग होते हैं जबकि मादा भेड़ सींग रहित होती है. इनकी ऊन चमकदार और मुलायम होती है, जिसे साल में तीन बार काटा जाता है. एक गद्दी भेड़ से औसतन 1.15 किलो ऊन सालाना प्राप्त होता है. यह ऊन ऊनी कपड़े, टोपी और स्थानीय शॉल बनाने में काम आता है.

**मांड्या भेड़**- मांड्या भेड़ें कर्नाटक के मांड्या जिले में पाई जाती हैं. यह नस्ल सफ़ेद रंग की होती है, लेकिन कभी-कभी इसके मुंह का रंग हल्का भूरा होता है. यह भेड़ आकार में छोटी होती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए बेहद लोकप्रिय है. नर भेड़ का औसत वजन करीब 35 किलो, जबकि मादा का वजन लगभग 25 किलो होता है. इनका मांस स्वादिष्ट और मुलायम होता है, जिससे इनकी मांग बाजार में हमेशा बनी रहती है.

**दक्कनी भेड़**- दक्कनी नस्ल राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पाई जाती है. यह नस्ल भूरे या काले रंग की होती है और दिखने में मजबूत होती है. इस भेड़ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे ऊन और मटन दोनों के लिए पाला जाता है. एक भेड़ साल में करीब 5 किलो ऊन देती है, हालांकि इसकी ऊन थोड़ी मोटी होती है और इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से कंबल या कालीन बनाने में किया जाता है. इन भेड़ों की देखभाल आसान होती है और ये सूखे इलाकों में भी अच्छे से जीवित रह सकती हैं.

# धान कटाई से पहले जरूरी हैं ये सावधानियां

**धान** की फसल मेहनत से उगाई जाती है, लेकिन अगर कटाई के वक्त थोड़ी सी भी गलती हो जाए, तो पूरी मेहनत पर पानी फिर सकता है. खासकर बासमती धान में, जहां हर दाने की क्वालिटी मायने रखती है. अगर कटाई सही समय और सही तरीके से की जाए, तो चावल न सिर्फ चमकदार और स्वादिष्ट बनता है, बल्कि बाजार में ऊंचे दाम भी दिलाता है.

- **सही नमी स्तर पर करें कटाई**- धान की कटाई तभी करें जब उसमें 18 से 20 प्रतिशत तक नमी हो. अगर धान में नमी कम होगी तो मिलिंग के समय दाने टूट सकते हैं, जिससे चावल की गुणवत्ता घट जाती है.
- **पकने की स्थिति पहचानें**- कटाई तब करें जब खेत की 80-85 प्रतिशत बालियां पूरी तरह पक चुकी हों. अगर जल्दी कटाई कर दी जाएगी, तो दाने अधपके रह जाएंगे और चावल की क्वालिटी कमजोर हो जाएगी.
- **कंबाइन हार्वेस्टर की स्पीड रखें धीमी**- अगर आप कंबाइन हार्वेस्टर से कटाई कर रहे हैं, तो मशीन की थ्रेशिंग स्पीड धीमी रखें. ऐसा करने से दानों पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ेगा और टूट-फूट कम होगी.
- **सुबह की ओस हटने के बाद करें कटाई**- धान की कटाई सुबह की ओस सूखने के बाद ही करें. गीले दानों की कटाई से झड़ने और नुकसान की संभावना बढ़ जाती है.

- **सही नमी पर करें भंडारण**- भंडारण से पहले धान की नमी लगभग 12त्न तक लाना चाहिए. ज्यादा नमी वाले धान को स्टोर करने से फफूंदी और खराबी का खतरा रहता है.
- **कटाई के समय नुकसान कम करें**- कटाई के दौरान मशीन की सेटिंग सही रखें ताकि धान के दाने खेत में न छूटें.
- **मिलिंग से पहले करें स्टोर**- धान को मिलिंग से पहले कम से कम 3 से 4 हफ्ते तक स्टोर करें. इससे दाने सख्त हो जाते हैं और मिलिंग के दौरान टूटने की संभावना कम रहती है.
- **कटाई के तुरंत बाद करें सुखाई**- कटाई के बाद धान को तुरंत सुखाना बहुत जरूरी है. इसे धीरे-धीरे छांव में या हल्की धूप में सुखाएं. तेज धूप में सीधे फैलाने से दानों में दरारें आ सकती हैं.